SUB- PSYCHOLOGY, - B.A- Hons- part-III, paper-VI (1)

Group- A- Functionalism (प्रकार्यवाद)

अमेरिकन मनोवैज्ञानिकों ने संरचनावाद -(Elementalistic analysis) के विरोध में एक नवीन सम्प्रदाय जिसमें चेतन एवं व्यवहार दोनों के अभियोजनाओं के अध्ययन पर बल देते हुए, स्थापित किया जिसे प्रकार्यवाद के नाम से जाना गया।

प्रकार्यवाद को समझने के लिए- भिन्नभिन्न मनोवैज्ञानिकों एवं उनके सिद्धांतों की चर्चा आवश्यक है क्योंकि Functionalism की नींव इन्हीं पर आधारित है:-

(1) **विकासात्मक विचारधारा एवं प्रकार्यवाद** - Darwin, Galton एवं Spencer मुख्य रूप से तीन ऐसे Evolutionary Theory के मानने वाले लोगों के विचार ने प्रकार्यवाद को पैदा करने में मदद की। स्पेंसर का मानना था कि मन का विकास शरीर के विकास के साथ होता है एवं अधिक जटिलता से ज्यादा मानसिक अनुभूति पैदा होती है। Spencer की किताब (1885) में "principles of psychology" मनोविज्ञान के क्षेत्र में कई प्रश्नों की चर्चा किया और मनोविज्ञान का अध्ययन क्षेत्र पशुमनोविज्ञान एवं अन्य विज्ञान तक बढ़ा दिया। इनके अनुसार विकास की श्रेणी जो प्राणी जितना ही ऊँचा (विकासात्मक सीढ़ी पर) होता है उसकी अनुक्रियाएँ उतनी ही जटिल होती हैं। Spencer ने प्रतिवर्त्त (Reflex) एवं मूलप्रवृत्ति (instinct) की भी व्याख्या की।

Charles Darwin द्वारा लिखित दो महत्वपूर्ण पुस्तकें- origin of Species-(1859) एवं Expressions of the Emotions in Man and Animals (1872) प्रकाशित करते हुए कहा कि जीव अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष करता है एवं उत्तम तरीके से Adjust करने वाले जीव अथवा प्राणी अच्छे से जी पाते हैं। अतः प्रकृति भी जीव का स्वाभाविक रूप से चयन करती है। समायोजन एवं मानसिक क्रिया के बीच 'संबंध पर डारविन ने बल दिया। मन का विकास शरीर के साथ होता है। Emotion को जीव के लिए मानसिक माना। Darwin के विचारधारा से स्पेंसर की ही तरह पशु मनोविज्ञान का विकास हुआ।

Francis Galton - 1869 में "Hereditary Genius" नामक प्रसिद्ध ग्रंथ लिखकर आनुवंशिक कारकों एवं वैयक्तिक भिन्नता के क्षेत्र में आंदोलन शुरू किया। बुद्धि के अध्ययन के क्रम में Statistical Methods का प्रतिपादन किया एवं मनोविज्ञान में उपयोगितावादी विचार को मानते हुए मानसिक क्षमताओं के विकास के अध्ययन को बल मिला जिससे प्रकार्यवाद को बढ़ावा मिला।

(2) **William James का योगदान** - (Principles of psychology-1890) के लेखक विलियम जेम्स प्रकार्यवाद के "अग्रदूत" कहे जाते हैं। जेम्स की किताबों - दो वॉल्यूम का यही सार है कि व्यक्ति का व्यवहार adaptable होता है और प्राणी पर्यावरण के साथ

Scanned with CamScanner

समायोजन आवश्यक करता है। अनुक्रम में मानसिक तथा शारीरिक क्रियाओं की ही भूमिका होती है। जेम्स का यह भी मानना था कि चेतना विकास के कारण ही होता है। प्रत्येक चेतना का भी एक विशेष प्रकार्य होता है। James का उपयोग विचार उपयोगितावाद पर आधारित थे। प्रकार्यवाद के विकास में उपयोगितावाद काफी सहायक रहा।

इस तरह स्पेंसर, डार्विन, गाल्टन तथा विलियम जेम्स के विचारों ने प्रकार्यवाद की नींव डालने का काम किया। C.T. Morgan ने अपनी पुस्तक "A Brief Introduction to Psychology" (page-4) में प्रकार्यवाद सम्प्रदाय को बढ़ाने में Darwin, W. James एवं John Dewey को ज्यादा महत्व दिया है उन्होंने Functionalism के बारे में लिखा है कि "Functionalism used to study the adaptive functions of behaviour and mental life".

शिकागो सम्प्रदाय एवं प्रकार्यवाद [Chicago School and Functionalism]

वुंट एवं टीचनर के संरचनावाद के घोर विरोध स्वरूप अमेरिका के Chicago University के James Rowland Angell, John Dewey (1894) ने प्रकार्यवाद की अवधारणा का किया जिसे Harvey Carr ने बाद में चलकर काफी विकसित एवं लोकप्रिय बना दिया। इन मनोवैज्ञानिकों ने प्रकार्यवादी विचारधारा के अनुसार बताया कि मानसिक क्रियाएँ निरंतर एवं गतिशील होती हैं एवं किसी निश्चित उद्देश्य हेतु होती है जिसकी पूर्ति होती है। इनलोगों की विचारधारा प्रयोगवादी - (Pragmatism) था.

जॉन डिवी - (John Dewey) 1859-1952 — क्रमशः दर्शनशास्त्र के प्राध्यापक रहे हॉपकिन्स, मिशीगन, एवं मिनीसोटा विश्वविद्यालय से पढ़ने के उपरांत Harvard University में विलियम जेम्स से शिक्षा प्राप्त किया। 1894 में हारवर्ड विश्वविद्यालय में दर्शनशास्त्र पढ़ने के बाद Chicago University के दर्शनशास्त्र विभाग में कार्य करते हुए प्रकार्यवाद की नींव डाली। "The Reflex arc Concept in Psychology" 1896 में प्रकाशित लघु शोध पत्र प्रकार्यवाद के नये आयामों की व्याख्या स्पष्टता से किया.

(A) - Dewey ने अपने शोधपत्र में स्पष्ट बताया कि मानसिक कार्यों में अनवरत निरंतरता नदी के जल की तरह बिना रुके होती है। मानसिक कार्यों की इस निरंतरता के कारण जीवों को किसी न किसी इच्छा की प्राप्ति भी अवश्य होती है। Reflex Arc - को भी निरंतरता के द्वारा समझाया। उन्होंने कहा कि चेतना का टुकड़े में बाँटकर अध्ययन करना (Structuralism) गलत है।

(B.) उद्दीपन और अनुक्रिया (S-R) - इन्होंने कहा कि उद्दीपन और अनुक्रिया संलग्न होते रहते हैं इसे अलग कर नहीं व्याख्या की जा सकती है। हम ऐसा नहीं कह सकते कि उद्दीपन पहले आया फिर अनुक्रिया हुई बल्कि दोनों क्रिया निरंतर होती रहती है बीच में कोई Gap नहीं होता यह संयुक्त होता है एवं इसका स्वरूप प्रकार्यात्मक होता है।

(C) पर्यावरण से समंजन — Dewey मनोवैज्ञानिक कहा कि जीवों एवं उनके पर्यावरण में प्रकार्यवादी संबंध होते हैं, बुद्धि का उदाहरण देते हुए इसे भविष्य के पर्यावरण से संबंध एवं वर्तमान पर्यावरण से समंजन की महत्ता पर काम किया। बुद्धि की प्रकार्यवादी व्याख्या करते हुए न सिर्फ एक प्रकार की मानसिक योग्यता कहा बल्कि

Scanned with CamScanner

Adjustment का सबसे उपयोगी एवं फलदायक अंग बताया/.

(D.) व्यवहार के अध्ययन के लिए इन्होंने Molar approach पर बल दिया न कि Molecular Analysis पर- तथा व्यवहार का अध्ययन अनुकूली प्रकार्य (Adaptive function) के रूप में होनी चाहिए ऐसा कहा/

John Dewey ने बाद के वर्षों में "progressive education movement" चलाया तथा उपयोगितावाद के महत्व का प्रतिपादन किया/ शिक्षा एवं प्रशिक्षण को इन्होंने व्यक्ति उन्मुखी (Client centered) बनाने पर जोड़ दिया/ Adjustment process में प्रयोज्य की सक्रिय भूमिका पर भी उन्होंने बल दिया जिससे प्रकार्यवादी मनोविज्ञान काफी तेजी से आगे बढ़ने लगा/.

James Rowland Angell - (1867-1949) जेम्स रॉलैंड ऐंजिल - इन्होंने संरचनावादी वुण्ट से भी शिक्षा प्राप्त की परन्तु इनको सबसे ज्यादा प्रभावित इनके गुरु- William James ने किया/ मूलतः मनोविज्ञान के शिक्षक थे इसलिए इन्होंने Ph.D नहीं की परन्तु 35 शोध पत्र प्रस्तुत कर प्रकार्यवाद की नींव को मजबूती प्रदान की/. J.B.Watson एवं Harvey Carr. इनके निर्देशन में रहे/ American Psychological Association के 1906-1907 में दिया गया अध्यक्षीय भाषण एवं रिसर्च पेपर - "The province of functional psychology" में Functional psychology के अवधारणाओं की चर्चा की जो इस प्रकार है -

(A) संरचनावाद एवं प्रकार्यवाद में अंतर — संरचनावाद का मुख्य काम चेतना के विभिन्न तत्वों का विश्लेषण करके इसका अध्ययन करना था जबकि - प्रकार्यवादियों का मुख्य कार्य मानसिक प्रक्रियाओं का पता करना है कि यह किस तरह संचालित होती है एवं व्यक्तियों के लिए मानसिक प्रक्रियाओं की क्या उपयोगिता है? Angell का कहना था कि मानसिक क्रियाएँ केवल पुनरावृत्त ही नहीं होती है बल्कि यह उद्देश्यपूर्ण होती है एवं इसमें भिन्नता होती है/

(B) उपयोगिता पर बल — मानसिक क्रियाओं के अध्ययन से क्या लाभ है? व्यक्ति के कुशलता में कैसे वृद्धि हो? जैसे Applied - व्यावहारिक पहलुओं अर्थात् उपयोगिता को आधार बनाया गया जिससे मनोविज्ञान का क्षेत्र विकसित हुआ/. प्राणी के Need तथा पर्यावरण में सम्बंध होता है/ कोई भी मनोवैज्ञानिक प्रकार्य अनुकूली प्रक्रिया होती है/ अनुकूलन प्राणी के अस्तित्व को बनाए रखते हैं/

(C.) Mind-Body Relation — प्राणी एवं पर्यावरण मनोदैहिक सम्बन्ध है अतः functional psychology को ... कहा जाता है/ कोई मानसिक क्रिया कैसे और ...

हारवे कार- Harvey Carr, 1873-1954 - शिकागो विश्वविद्यालय में जब Angell येल विश्वविद्यालय चले गये तो उनके पद पर Harvey Carr को मनोविज्ञान का अध्यक्ष बनाया गया। Carr ने 1925 में "Psychology: A Study of Mental Activity" प्रकाशित किया जिसके कारण प्रकार्यवाद को पूर्णतः स्थापित करने में काफी सहयोग मिला। प्रकार्यवाद को सबसे ज्यादा विकास एवं प्रचार Carr ने ही किया। Carr के योगदान इस प्रकार हैं:-

(A) Mental Activity - A/c to Carr - "Mental Activity is concerned with the acquisition, fixation, retention, organization and evaluation of experiences, and their subsequent utilization in the guidance of conduct."
प्रत्यक्षज्ञान, स्मृति, कल्पना, चिन्तन शक्ति, इच्छा-शक्ति आदि को मानसिक क्रिया 'हारवे कार' ने माना।

(B) Mind-Body-Relation - Carr ने मन और शरीर के बीच अभिन्न सम्बंध की बात की और इस बात पर बल दिया कि मानसिक क्रियाएँ मानसिक तथा शारीरिक दोनों पहलुओं से सम्बन्धित होती हैं अतः दोनों एक हैं दोनों को अलग-अलग नहीं किया जा सकता है।

(C) Motivating Stimulus - समायोजनात्मक व्यवहार से इनका तात्पर्य मानसिक क्रियाओं के अनवरत चलते से है जबतक कि अभीष्ट कार्य पूर्ण नहीं हो जाता है अतः Motivating Stimulus व्यक्ति के कार्य एवं व्यवहार को दिशा तय करती है और उद्देश्य की प्राप्ति तक अनवरत चलती रहती है।

(D) पर्यावरण - 'कार' का मानना था कि पर्यावरण व्यक्ति को कार्य हेतु प्रेरित करती है। अलग-अलग पर्यावरण अलग-अलग मानसिक कार्यों के लिए प्रेरक होती है। अपने उद्देश्य की प्राप्ति के लिए व्यक्ति को अनुकूल पर्यावरण पैदा कर मंजिल तक पहुँचना होता है जिससे उसे संतोष मिलता है। अतः पर्यावरण प्रकार्यवाद के लिए एक महत्वपूर्ण अध्ययन विषय माना गया।

उपरोक्त अध्ययनों से Functionalism के नीति निर्माता मनोवैज्ञानिकों ने अपने-अपने Contribution से 'प्रकार्यवाद' को स्पष्ट किया एवं एक अलग सम्प्रदाय के रूप में स्थापित करने का कार्य किया जिससे मनोविज्ञान का क्षेत्र व्यापक हो गया।

Carr ने मनोविज्ञान के विषय-वस्तु, विधि, Motivation, Learning curve, Individual difference, सीखने के नियम, Attention-Sensory-Motor adjustment, Creativity, Reasoning, Motor and sensory behaviours आदि बहुत से प्रत्ययों की व्याख्या कर प्रकार्यवाद को चार चाँद लगा दिया।

Dr. AJAY KUMAR
Associate Professor and H.O.D. Psychology
JAIN JIWAN COLLEGE, ARA.
V.K.S.U. ARA. [BIHAR]
email - ajaypsychologyara@gmail.com
Mo.No - 8789427854

REDMI NOTE 8 PRO
AI QUAD CAMERA

Scanned with CamScanner